Independence Day Address by Professor Arun Kumar Grover, Vice Chancellor, Panjab University, on August 15, 2013

प्रिय बच्चो, विद्यार्थियों, जवानो, आमंत्रित अतिथियो, शिक्षकगण साथियो, विश्वविद्यालय के कर्मचारियो, बहनो और भाइयों

आज हम स्वतंत्र भारत म छयासठ वर्ष पूरे कर रहे हैं। इस अवसर पर मैं आप सब का हार्दिक अभिनंदन करते हुए आप सब लोगों को अपने विश्वविद्यालय की प्रगति के लिए मेरे साथ निरंतर सहयोग के लिए आभार प्रकट करना चाहता हूँ। साथ ही मुझे यह भी संतोष है कि जो कार्य मैनें एक वर्ष पूर्व संभाला था, उसमें आप मेरे साथ जुड़े रहे और अपने विचार मुझ से सांझा करते रहे। मेरा विश्वास है हम सब मिलकर वो सब कर सकने की क्षमता रखते हैं, जो एक उदाहरण बन कर हमारी जैसी संस्थाओं के लिए एक Role model बन सकता है।

भारत के स्वतंत्रता दिवस एवं गंणतंत्र दिवस का पंजाब विश्वविद्यालय के लिए एक विशेष महत्व है। स्वतन्त्र भारत में पंजाब विश्वविद्यालय को पुर्नस्थापित करना एक बहुत बड़ी चुनौती थी। इस चुनौती को लाहौर से विस्थापित शिक्षक गणों, विश्वविद्यालय के अफसरों एवं कर्मचारियों, सीनेट और सिंडीकेट के सदस्यों एव विद्यार्थियों ने मिलकर बहुत जिम्मेदारी और लगन से सम्भाला और बहुत थोड़े सालों में ही पंजाब विश्वविद्यालय को पंजाब को नई राजधानी चण्डीगढ़ में पुनः स्थापित कर दिया। **Dr. Amir Chand Joshi** जैसे कुलपति ने सिर्फ सात वर्षो में सैक्टर-14 में **Chemical Engineering Department, Arts Blocks, Science Blocks, Law Department, Law Auditorium, University Library, Pharmacy and Basic Medical Sciences Block, Gandhi Bhawan, Fine Arts Gallery, Open Air Theatre, Boys and Girls Hostels, Administrative Building, Guest House, Bank**, इत्यादि, इन सब का निर्माण कर, विश्वविद्यालय में दूर दूर से चुनींदा शिक्षकगणों को प्रेरित कर, यहाँ ला कर इकट्ठा कर दिया। यह हमारी खुश-किस्मती है कि Chandigarh Campus में First Generation के अध्यापको में कुछ आज भी हमारे साथ हैं, वह अक्सर University आते हैं और हमें अपने जीवन के अनुभवों के आधार पर हमारा मार्गदर्शन करने को नही हिचकिचाते। मैं इन सब बुजुर्ग अध्यापकों का विशेष आभार प्रकट करना चाहता हूँ कि इन्होंने मुझे यहाँ **Vice-Chancellor** के पद पर आने पर अपना स्नेह और आर्शीवाद दिया। इससे मुझे अपने नये दायित्व की ओर नम्रता से कार्यरत रहने के लिये बहुत प्रेरणा मिली। एक वर्ष के कार्यकाल में मुझे जनवरी, 2013 में हमारे **प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह** जी से भी उनके अपने नई दिल्ली के रेस कोर्स निवास स्थित कार्यालय में मिलने का सौभाग्य

प्राप्त हुआ। आप सब जानते हैं कि पंजाब विश्वविद्यालय Contituent College, Hoshiarpur में पढ, Prof. Manmohan Singh Ji ने हमारी Chandigarh Campus के Economics Department में पढ़ाया। मेरे यहाँ 1968 में Physics Department में पढ़ने आने से पहले वह यहाँ से जा चुके थे। पर Hoshiarpur में Dr. Manmohan Singh Ji के समकालीन Dr. Raj Kumar Pathania ने हमें Physics Depaertment के First Year में पढ़ाया। इन दोनों के ही समकालीन Chemistry विभाग के Prof S.V. Kessar आज भी हमारे साथ यहाँ मौजूद हैं। उनकी संगीनी Professor Smt. Urmi Kessar Ji ने भी कल Ankur School के Independence Day Function में बच्चों को आर्शीवाद दिया। मेरी यह कोशिश है कि Ankur School को जल्द ही C.B.S.E. से दसवीं क्लास तक के विद्यार्थियों को पढ़ाने की अनुमति मिल जाये।

Let me now move across to an assurance I gave during my last year's independence day address. I had offered to give you an update at the end of one year on new initiatives to be launched. To enumerate some of the new initiatives since September, 2012, let me first mention the monthly Panjab University Colloquium Series. These colloquia talks given by national icons, which also includes some of our own faculty members at P.U. Campus, have been well appreciated by University community and the public at large. We are going to have first Colloquium lecture of this academic year tomorrow by Mr. Ashok Thakur, a distinguished alumnus of P.U. and presently the Secretary, Higher Education in MHRD at New Delhi. The second P.U. Colloquium this year will be delivered by Prof. B.S. Brar, our former DUI, on the Teacher's Day, September 5, 2013.

The Second new initiative that I would like to mention is the creation of Research Promotion Cell (RPC). A five member cell has been put in place for the entire University to coordinate, facilitate and collate the research work of all the departments. RPC is expected to timely respond and anticipate the requirements of research scholars, post doctoral fellows and the INSPIRE faculty who choose to join P.U.

Third on my list is the creation of Chandigarh Region Innovation and Knowledge Cluster, which brings together on a common platform 15 institutions in and around tricity Chandigarh. This cluster has received financial support from Chandigarh M.P. and a very Senior member of our Senate, Shri Pawan Kumar Bansal ji.

Only yesterday, all formalities for floating a tender for two AC Buses were completed. It is hoped that in the near future, a shuttle bus service will connect all the institutions in Chandigarh and Mohali, for use by students and staff of all the CRIKC institutions.

Next is the Annual Panjab University Foundation Day Lecture by an iconic P.U. alumnus. The first P.U. Foundation Day Lecture was delivered by Prof. Romila Thapar on October 20, 2012. This year's lecture on October 24, 2013 will be delivered by Prof. Gurdial Singh ji. On the same very day, a Postal stamp on Prof. Ruchi Ram Sahni will be released by Shri Kapil Sibal ji. From October 24-26, 2013, P.U. will also host an international seminar on the theme 'The Making of Modern Punjab from 1850 to Contemporary Times' in the background of 150 years of higher education in Punjab.

The Films Division of Government of India has also accepted to make a Documentary on Ruchi Ram Sahni, in cooperation with Panjab University. This work is in progress.

A Panjab University Foundation Memorial has been planned to come up on P.U. Campus. This memorial shall be built with contributions being solicited from P.U. alumni and other well wishers of higher education in our region.

To improve the synergy between the Departments and Centres/Chairs of the University, DUI has started to hold regular meetings of the Chairpersons. It is hoped that this synergy will lead to reorganization of the academic programmes of sixty five Departments in the form of Graduate Schools built around eleven Faculties of P.U. Each Graduate School hopefully would plan a broad based curricula encompassing subjects in different departments under a given faculty.

ਆਜ਼ਾਦੀ ਦੇ ਦਿਨ ਮੈਂ ਕੁਝ ਗੱਲਾਂ Specifically ਆਪਣੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਵਾਸਤੇ ਵੀ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਸਕੂਲਾਂ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਸਿੱਧੇ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਵਿਚ ਦਾਖ਼ਿਲਾ ਲੈਣ ਵਾਲੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਤਦਾਦ ਪਿਛਲੇ 10 ਸਾਲਾਂ ਵਿਚ ਕਾਫੀ ਵੱਧ ਗਈ ਹੈ। ਇਹ ਸਾਡੇ ਸਭ ਵਾਸਤੇ ਬਹੁਤ ਚੰਗੀ ਗੱਲ ਹੈ। ਪਰ ਇਹਨਾ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੇ ਵਾਸਤੇ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਉਨਾ ਸਬ ਨਹੀਂ ਕਰ ਪਾਈ ਹੈ ਜਿਨਾਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਵਿਚ ਫੈਕਲਟੀ ਦੀ ਕਮੀ ਹੈ। ਇਹ ਕਮੀ ਪ੍ਰੋਫੈਸ਼ਨਲ ਇੰਸਟੀਚਿਊਟ ਵਿਚ ਸਭ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਮਹਿਸੂਸ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਡੈਂਟਲ ਕਾਲਜ, UIET, UICET, UILS, UIHMT, UBS ਵਰਗੇ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟਾਂ ਦੀ ਨੈਸ਼ਨਲ ਸਟੈਡਿੰਗ ਉਹਨਾਂ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਪਲੇਸਮੈਟ ਤੇ ਨਿਰਭਰ ਕਰਦੀ ਹੈ। ਪਲੇਸਮੈਂਟ ਵਾਸਤੇ ਇਹਨਾ ਇੰਸਟੀਚਿਊਟਾਂ ਦੀ ਵਧੀਆ

ਸਿਖਲਾਈ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਫੈਕਲਟੀਜ਼ ਦਾ ਪੂਰਾ ਹੋਣਾ ਇਹਨਾਂ ਸਾਰੇ ਇੰਸਟੀਚਿਊਟਾਂ ਦੀ Survival ਵਾਸਤੇ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਸਾਲ ਵਿਚ ਮੈਂ ਪੂਰੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਾਂਗੇ ਕਿ ਇਹ ਮੁਸ਼ਕਿਲ ਕੁਝ ਹੱਦ ਤੱਕ ਹੱਲ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕੇ। ਫੈਕਲਟੀਜ਼ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਨੌਜੁਆਨ ਵਿਦਿਆਰਥੀ, ਖਾਸ ਕਰਕੇ ਕੁੜੀਆਂ ਵਾਸਤੇ ਹੋਸਟਲ ਅਤੇ ਬਾਕੀ ਸਹੁਲਤਾਂ ਵੀ ਕਾਫੀ ਘੱਟ ਹਨ। ਸੈਕਟਰ 25 ਵੀ ਏਨੀ ਤੇਜ਼ੀ ਨਾਲ Develop ਨਹੀਂ ਹੋ ਰਿਹਾ, ਜਿੰਨੀ ਸਭ ਦੀ Desire ਹੈ।

Teacher organizations, Student bodies ਨੂੰ University Administration ਅਤੇ University Engineers ਨਾਲ ਮਿਲ ਕੇ ਇਕ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ Time Frame ਤੇ ਕੰਮ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਰੇ ਚੱਲ ਰਹੇ ਪ੍ਰੋਜੈਕਟ ਛੇਤੀ ਪੂਰੇ ਕੀਤੇ ਜਾਣ। ਉਸਤੋਂ ਬਾਅਦ ਹੀ ਨਵੇਂ ਹੋਸਟਲ ਬਗੈਰਾ Plan ਕੀਤੇ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਹੋਸਟਲ ਨੌਜੁਆਨ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਵਾਸਤੇ ਤਾਂ ਚਾਹੀਦੇ ਹੀ ਹਨ ਨਾਲ ਹੀ Women research scholars ਵਾਸਤੇ ਵੀ Proper residential accommodation ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੈ।

ਹੋਰ accommodation ਤੇ ਸ਼ਾਇਦ ਆਪਣਾ ਸਮਾਂ ਲੈਣਗੇਆਂ, ਪਰ ਮੇਰਾ Immediate concern, research scholars ਤੇ M.Tech students ਨੂੰ ਉਹਨਾਂ ਦਾ ਵਜ਼ੀਫਾ ਵੇਲੇ ਸਿਰ ਦਵਾਉਣ ਦਾ ਹੈ। ਇਸਦੇ ਵਾਸਤੇ ਮੈਂ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ਾਂ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹਾਂ। Hopefully we will have some improvements on this front during the coming months. ਇਕ Hopeful note ਦੇ ਉੱਤੇ ਮੈਂ ਆਪਣਾ ਭਾਸ਼ਣ ਖਤਮ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹੈ।

I trust that I will live upto your expectations from a Vice Chancellor of the premier University of India.

I thank all of you for patiently listening to my longish address.

Let us resolve in the end to reiterate our commitment to the work of our University, which is indeed a symbol of development of modern India as an independent nation amongst the community of nations at a global level.

Jai Hind